प्रेषक.

अर्जुन सिंह, अपर सचिव उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में.

निदेशक, रेशम विकास विभाग, प्रेमनगर—देहरादून।

उद्यान एवं रेशम अनुमाग:-2 देहरादूनः दिनांक 0 3 फ़्क्स्टूब्स् ,2007 विषय:-वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-31 के अन्तर्गत आयोजनागत पक्ष की जिला सैक्टर की चालू योजना "रेशम उत्पादन प्रचार प्रसार" के कियान्वयन हेतु वित्तीय स्वीकृति।

महोदय.

उपर्युक्त विषयक आपके पत्रांक-1903/रेशम/तक0अनु0/बजट/2007-08,दिनांक-18 अगरत, 2007 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है, कि चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय-व्ययक में अनुदान सं0-31 के अन्तर्गत जिला सैक्टर की आयोजनागत पक्ष की योजना "रेशम उत्पादन प्रचार प्रसार" के कियान्वयन हेतु कुल प्राविधानित धनराशि रू0-3,00,000,00 (रूपये तीन लाख) के सापेक्ष उक्त योजना पर व्यय के लिए संलग्न विवरणानुसार कुल रू0-2,40,000,00 (रू0 दो लाख चालीस हजार मात्र) की धनराशि अधोलिखित प्रतिबन्धों के अधीन आपके निर्वतन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष रवीकृति प्रदान करते हैं:-

 स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय जिला नियोजन एवं अनुश्रवण समिति द्वारा अनुमोदित जनपदवार परिव्यय (छाया प्रति संलग्न) की सीमान्तर्गत ही किया जाय। अनुमोदित परिव्यय की सीमा से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

2. इस धनराशि का व्यय केवल चालू कार्यों के लिये ही किया जायेगा।

3. उक्त व्यय करते समय वित्त अनुभाग-1, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-599/ XXVII(1)/2007, दिनांक-12 जुलाई, 2007 (छाया प्रति संलग्नु) में दिये गये दिशा-निर्देशों तथा शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों / निर्देशों एवं बजट मैनुअल के सुसंगत नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाएगा।

4. किसी भी शासकीय व्यय हेतु भण्डार क्य प्रकिया (स्टोर्स पर्चेस रूल्स) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड—1 वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिष्पादन नियम संग्रह खण्ड—5 भाग—1 आय व्यय सम्बन्धी नियम शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

5. अनुदान के अन्तर्गत होने वाले सम्भावित व्यय की फेजिंग त्रैमास के आधार पर शासन को उपलब्ध करायी जाय, जिससे राज्य स्तर पर कैशफ्लों निर्धारित किए जाने में किसी प्रकार की कठिनाई उत्पन्न न हो।

6. निर्माण कार्य पर व्यय करने से पूर्व प्रत्येक के आगणन / पुनरीक्षित आगणनों पर प्रशासनिक तथा वित्तीय अनुमोदन के साथ-साथ आगणनों पर सक्षम अधिकारी की तकनीकी स्वीकृति भी प्राप्त कर ली जाय!

7. व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थाई आदेशों के अन्तर्गत शासकीय तथा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो तो उसमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।

8. व्यय केवल उन्हीं मदों में किया जाय, जिनके लिए यह स्वीकृति निर्गत की जा रही है. साथ ही किसी भी प्रकार के मद परिवर्तन का अधिकार विभाग के पास नहीं रहेगा। 9. व्यय की सूचना प्रपन्न बी०एम0-13 पर प्रत्येक माह की 20 तारीख तक वित्त विभाग को अवश्य उपलब्ध कराई जाय तथा धनराशि का आहरण/व्यय एकमुश्त न करके आवश्यकतानुसार ही किया जायेगा।

10. लघु निर्माण कार्य व अन्य निर्माण कार्यो हेतु लोक निर्माण विभाग की वर्तमान प्रचलित दरों

पर ही आगणन गठित करके कार्य प्रारम्भ किया जायेगा।

11. स्वीकृत की जा रही धनराशि अविलम्ब जनपदों को आंवटित कर दी जाय जिससे सम्बन्धित जनपदों के जिला योजना से संबंधित कार्य अविलम्ब सम्पादित कराये जा सके।

12. स्वीकृत की जा रही धनराशि जनपदवार आवंटित प्लान परिव्यय के अंतर्गत ही जिला नियोजन एवं अनुश्रवण समिति द्वारा अनुमोदित कार्यो / मदों की पूर्ति में ही व्यय की

जायेगी।

13.इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 में अनुदान संख्या-31 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक—2401—फसल कृषि कर्म—00—आयोजनागत—796—जनजाति क्षेत्र उपयोजना-16-रेशम उत्पादन प्रचार-प्रसार-00-के अन्तर्गत संलग्न विवरण में अंकित सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जायेगा।

14. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-231(P) / वित्त अनु0-4 / 2007. दिनांक-

25/09/2007 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक-यथोपरि।

संख्या-967/xv1/07/7(41) 2007 तद्दिनोकित। प्रतिलिपि – निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग माजरा, देहरादून।

2- वित्त अनुभाग-4, उत्तराखण्ड शासन।

3- समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी / कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड 👆

4- वजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड।

5- सब्द्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, सचिवालय परिसर देहराद्न।

आयुक्त, गढवाल मण्डल, पौड़ी / कुमायूँ मण्डल, नैनीताल।

7- समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।

8- गार्ड फाईल।

(अर्जुन सिंह) अपर सचिव।

.2-

शासनावेश संख्या-67/XVI/07/7(41) 2007 दिनांक-03, अस्ट्र 2007 का संलग्नक वित्तीय वर्ष 2008-07 में अनुदान संख्या 31 के आयोजनागत पक्ष में जिला सैक्टर की चालू योजना 'रेशम उत्पादन प्रचार-प्रसार' हेतु प्राविधानित धनराशि के सोपक्ष स्वीकृत की जाने वाली धनराशि का विवरण।

अनुदान संख्या-31

(धनराशि हजार रुपये में)

क0 सं0	लेखाशीर्षक /योजना/मद -2401-फसल कृषि कर्म-00-आयोजनागत 798-जनजाति क्षेत्र उप योजना-00-	वर्ष 200708 हेतु प्राविधानित धनराशि	लेखानुदान के अन्तर्गत अवमुक्त धनशाशि	स्वीकृत की जा रही घनराशि		
1	18-रेशम उत्पादन प्रचार-प्रसार (जि०यो०)					
	02- मजदूरी	200	-	200		
	08- कार्यालय व्यय	20	-	-		
	19- विद्यापन विकी और विख्यापन व्यव	20	-	-		
	26- मशीनें और सज्जा / उपकरण और संयत्र	20	-			
	31-सामग्री और सम्पूर्ति	40	2	40		
	योग:	300	*	240		

(रू० दो लाख चालीस हजार मात्र)

(अर्जुन सिंह) अपर सचिव।

SELECTION OF THE PERSON OF

15.47

मान प्राप्त प्राप्त प्राप्त कर्मा करिया कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कराम कराम कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा करिया कराम कर्मा कराम कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कराम कराम कराम कराम कराम कर्मा कर्मा कराम कराम कराम कराम कराम कराम कर्मा कर्मा कर्मा कर्म कर्मा कर्मा कर्मा कराम कराम कराम कराम कराम कराम कराम कर	1	Special Company of the Company of th	Ba Comboo Sanata Sanata	1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1			2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2 2	(A) (C) (C) (C) (C) (C) (C) (C) (C) (C) (C	100000000000000000000000000000000000000	(L) (a)	S. O.		0.20 0.45 0.59 11 nevertraft	12 Megading	0.20 0.45 0.09 min	योग्- ११६व विकास विकास	में क्ष्मिक्स के किस के	परिवाध वृत्तामा	क्रमगर	_	745	0.00 0.75 0.00	CDITAL C	28.62	_	2000	2.40 0.20	200 020	
100 0 20 1 445 0 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1	200 to 1200 to	_	+									4	2,40		2.40						4								
7 2000	-		1年20日	Z Battle of a	3 Sept. 2		S strings	6 depart	7 58875	10 mm	0 150	11 Springeroff	12,800,405	13 85%	ग्रीम														
7 2000		री, सम्प्राप्त	02.0	0.33		200	_		2 20		31.5				13,36														
7 2000	R WENGER	1250	1.00	B.78	5.45	680	0.80	5	017.00	080	0.86		0.38	5.60	16.93														
	in		281	0.60	0.70	00 1	0.75		4	2 0	020		0.20		4.42														